

आरकेएमपी की सुरक्षा ‘रामभरोसे’

मेटल डिटेक्टर बंद, कैमरों का जाल, लेकिन लाइव निगरानी से दूर सुरक्षा एजेंसियां

- पुष्पक जैसी बड़ी ट्रेन के दौरान भी जवान नदारद
- 1 जवान पर 20 ट्रेनों की सुरक्षा का जिम्मा
- अत्याधुनिक सुविधाओं के बीच उठते सवाल



बंद पड़ी जांच मशीन, बिना जांच प्रवेश

● प्लेटफॉर्म नंबर-1 के प्रवेश द्वार पर दो मेटल डिटेक्टर वॉक-थ्रू मशीनें लगी हैं, लेकिन दोनों के बंद होने से यात्रियों की जांच व्यवस्था सवालों के घेरे में है. नवभारत की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखी तो प्रवेश के दौरान प्रभावी सुरक्षा जांच नजर नहीं आई. ऐसे में कोई संदिग्ध व्यक्ति बिना जांच परिसर में प्रवेश कर जाए तो उसे रोकने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है, यह बड़ा सवाल है.

150	40	30	5-6	1-2
बंसल ग्रुप के कैमरे	रेलवे के कैमरे	जीआरपी का कुल स्टाफ	परिसर में उपलब्ध जीआरपी कर्मचारी	सुरक्षा के लिए उपलब्ध आरपीएफ जवान

तीसरी आंख है, लेकिन निगरानी किसकी

स्टेशन परिसर में बंसल ग्रुप के 150 से अधिक और रेलवे के 40 से अधिक कैमरे लगे हैं. बंसल ग्रुप के पास अपने कैमरों की निगरानी के लिए अलग मॉनिटरिंग सिस्टम है. वरिष्ठ अधिकारी धर्मेन्द्र श्रीवास्तव के अनुसार, 150 से अधिक कैमरों का डेटा उनके मॉनिटरिंग रूम में उपलब्ध रहता है. हालांकि, उनका मुख्य काम सर्वर और तकनीकी समस्याओं का समाधान करना है. दूसरी ओर, आरपीएफ के पास अपने स्तर पर उपलब्ध कैमरों की लाइव स्ट्रीमिंग रहती है, जबकि अन्य कैमरों का पूरा रिकॉर्ड उसके पास उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई. जीआरपी कार्यालय में भी निरीक्षण के दौरान बमुश्किल दो-तीन कैमरों



सीसीटीवी कैमरों से की जा रही निगरानी.

की स्ट्रीमिंग ही दिखाई दी. ऐसे में अपराध के बाद संदिग्ध की पहचान और तलाश के लिए कैमरों का पूरा नेटवर्क कितना उपयोगी साबित होगा, यह सवाल बना हुआ है.



प्लेटफार्म पर एक भी जवान नहीं.

जीआरपी में स्टाफ की कमी 30 में से 17 जवान छुट्टी पर

पड़ताल के दौरान स्टेशन पर पुष्पक एक्सप्रेस के समय भी पर्याप्त सुरक्षा बल नजर नहीं आया. जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार उनके पास कुल 30 कर्मचारियों का स्टाफ है, जिसमें 17 छुट्टी पर हैं. उपलब्ध बल में से करीब 5-6 कर्मचारी ही परिसर में रहते हैं. आरपीएफ अधिकारियों के मुताबिक उनके पास 26 जवान हैं, लेकिन सर्वोडि, अलग-अलग प्लॉट और अन्य इयूटी में तैनाती के बाद स्टेशन की सुरक्षा के लिए महज 1-2 जवान ही बच पाते हैं.

निगरानी व्यवस्था पर सवाल

● स्टेशन परिसर में 1 जनवरी से 30 सितंबर तक 314 अपराध दर्ज किए गए. इनमें 12 मामले रामपीट के हैं.

● अपराध के ये आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब स्टेशन पर सुरक्षा बलों की संख्या और निगरानी व्यवस्था दोनों सवालों के घेरे में हैं.

● ऐसे में करोड़ों रुपये की लागत से तैयार अत्याधुनिक स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था यात्रियों को भरोसा दिलाने के बजाय सवाल खड़े करती नजर आ रही है.

इनका कहना है ...

“स्टेशन की सुरक्षा के लिए आरपीएफ लगातार तैनात रहती है. उपलब्ध बल को अलग-अलग इयूटी प्लॉट, गश्त और एस्कॉर्ट में लगाया जाता है. स्टाफ की कमी के बावजूद यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता है. बंद उपकरणों और अन्य व्यवस्थाओं की जांच कर आवश्यक सुधार कराए जाएंगे.”

—कैप्टन रावत, आरपीएफ थाना प्रभारी

“जीआरपी के पास वर्तमान में 30 कर्मचारियों का स्वीकृत बल है, जिसमें से 17 कर्मचारी अवकाश पर हैं. उपलब्ध कर्मचारियों को स्टेशन और अन्य जरूरी इयूटी में लगाया गया है. स्टाफ की कमी के कारण प्लेटफॉर्म पर बल कम नजर आ सकता है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है.”

—अमित शर्मा, थाना प्रभारी, जीआरपी रानी कमलापति

कूरियर नहीं, नेटवर्क पर होगा वार

‘ड्रग वॉर’ का विजय सामुदायिक पुलिसिंग को अभियान का हिस्सा बनाया जाएगा

विशेष प्रतिनिधि
भोपाल, 3 अक्टूबर. नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अब केवल तस्करी में इस्तेमाल होने वाले कूरियर या छोटे स्तर के तस्करी पर कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की रणनीति तैयार की जा रही है.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने शनिवार को नशे के खिलाफ तैयार विजय डॉक्यूमेंट पेश किया गया. इसमें नक्सल अभियान की तर्ज पर ड्रग तस्करी के नेटवर्क की पहचान कर उसे तोड़ने और उसके पूरे तंत्र को खत्म करने पर जोर दिया गया है. रणनीति के तहत वर्ष 2029 तक 100 प्रमुख अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया नेटवर्क को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है. विजय डॉक्यूमेंट में डिटेक्ट, डिस्सेम्बर और डिस्ट्रॉय के सिद्धांत पर कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की गई है. इसमें केवल ड्रग्स पहुंचाने वाले कूरियर के बजाय सप्लायर, फाइनेंसर, हैंडलर और पूरे कार्टेल को कार्रवाई के दायरे में लाने की बात कही गई है. खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई के साथ सामुदायिक पुलिसिंग को भी अभियान का हिस्सा बनाया



सीएम डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एयरपोर्ट पर विदाई दी.

ऐनवक्त पर बदला शाह का कार्यक्रम

ड्रग, शनिवार दोपहर अमित शाह के भोपाल में प्रस्तावित कार्यक्रमों में अचानक बदलाव हुआ. उन्हें शाम पांच बजे आईआईएसआईआर भोपाल में ‘अग्नि’ परिसर का भूमिपूजन करना था. आईआईएसआईआर के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजा गया. सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली से मिले संदेश के बाद शाह को वरुंडाल बैटक में शामिल होना पड़ा. इसके चलते शाम के कार्यक्रमों में बदलाव किया गया. सूत्रों के मुताबिक शाह का आगे तेलंगाना जाने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित था, लेकिन तय कार्यक्रम में बदलाव के बाद वे रात करीब 8 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो गए. उनके भोपाल प्रवास के दौरान नशामुक्ति अभियान को लेकर प्रस्तावित प्रकरण वार्ता भी नहीं हो सकी.

जाएगा. ड्रग तस्करी में तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए एआई और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग को बढ़ाने की योजना है. डार्कनेट और क्रिप्टो नेटवर्क पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी. मेथामफेटामाइन, मेफेड्रोन और

नाइट्रोजीन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की अवैध आपूर्ति पर नियंत्रण कड़ा किया जाएगा. एमडी समेत सिंथेटिक ड्रग्स बनाने वाली अवैध प्रयोगशालाओं को नष्ट करने पर भी विशेष जोर रहेगा.

पार्क की जमीन पर अवैध निर्माण का विरोध

भोपाल. प्रगति नगर कॉलोनी जिन क्रमांक 10 वार्ड क्रमांक 71 में पार्क के लिए आरक्षित आम भूमि पर अवैध कब्जा और निर्माण का मामला सामने आया

है. रहवासियों ने इस मामले में फर्जी रजिस्ट्री नामांतरण और भवन अनुमति की उच्च स्तरीय

जांच करवाने की मांग की है. कॉलोनी के आवेदन के अनुसार गजट में प्रकाशित उल्लेख के आधार पर यह भूमि बच्चों के खेलने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आरक्षित थी. लेकिन आरोप है कि भू-माफिया द्वारा पार्क के लिए चिह्नित इस जगह को चुपचाप बेचा जा रहा है. फर्जी दस्तावेजों के आधार पर परमिशन लेकर यहां तेजी से निर्माण कार्य करवाया जा रहा है.

1 लाख एलपीजी कनेक्शन ब्लॉक ई-केवाईसी के बिना गैस बुकिंग बंद

सिटी रिपोर्टर
भोपाल, 3 अक्टूबर. करीब 1 लाख घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के कनेक्शन ई-केवाईसी नहीं होने के कारण ब्लॉक कर दिए गए हैं. 1 अक्टूबर से इन उपभोक्ताओं के लिए गैस सिलिंडर की बुकिंग समेत अन्य सेवाएं रोक दी गई हैं. इससे कई लोग गैस एजेंसियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं.

जानकारी के अनुसार भोपाल में करीब 8 लाख घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं. इनमें लगभग एक लाख उपभोक्ताओं ने अब तक ई-केवाईसी नहीं कराई थी. उपभोक्ताओं को बुकिंग के दौरान कनेक्शन ब्लॉक होने की जानकारी मिल रही है. एजेंसी कर्मचारियों का कहना है कि ई-

केवाईसी पूरी होने के बाद ही बुकिंग और सेवाएं दोबारा शुरू होंगी. गैस वितरक संघ के अध्यक्ष बीएस शर्मा ने बताया कि शहर की प्रत्येक एजेंसी पर बड़ी संख्या में ऐसे उपभोक्ता हैं

और अचानक कनेक्शन ब्लॉक होने से परेशानी बढ़ी है. उन्होंने उपभोक्ताओं को समय दिए जाने की बात कही. वहीं, जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने स्पष्ट किया कि सभी घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है. जिन लोगों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है, उन्हें इसे जल्द पूरा करने की सलाह दी गई है.

डॉक्टर के घर के बाहर से कार चोरी

भोपाल. शहर के पाश इलाके अरेरा कॉलोनी में चोरों ने घर के बाहर खड़ी डॉक्टर की कार चोरी कर ली. वारदात ई-7 अरेरा कॉलोनी में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:25 बजे हुई. बदमाश एसयूवी से पहुंचे और पहले कार की रैकी को. इसके बाद कार का लाल तोड़कर उसे चालू किया और फरार हो गए. पूरी वारदात घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है. अरेरा कालोनी ई-7 निवासी डा. एके जैन ने कार चोरी की शिकायत हबीबगंज थाने में दर्ज कराई है. शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाश एसयूवी से पहुंचे थे.

रिटायर्ड आईएएस हत्याकांड

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 3 अक्टूबर. रातीबड़ इलाके में रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की हत्या के फरार आरोपी वरुण कुमार की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है. तलाश में पुलिस की 15 टीमें जुटी हैं.

यूपी के आगरा से केयरटेकर आरोपी वरुण के संभावित भागने के रास्ते के करीब 500 सीसीटीवी फुटेज पुलिस ने अबतक खंगाली हैं. आरोपी की तलाश उत्तर प्रदेश, दिल्ली और पंजाब समेत पांच राज्यों में कर रही है. जानकारी के मुताबिक पुलिस टीमें पंजाब के नाभा स्थित आरोपी वरुण के पैतृक निवास पर भी नजरें बनाई हैं. इसके बावजूद भी आरोपी की सही



राकेश अग्रवाल वरुण कुमार

लोकेशन अब तक सामने नहीं आई है. आगरा में अपने एक रिश्तेदार के पास रुकने के बाद आरोपी ने अग्रवाल का चुराया गया मोबाइल

डिजिटल फुटप्रिंट से तलाश, पीएचक्यू ने दो टीम दी

इस बीच आरोपी की डिजिटल फुटप्रिंट से तलाश के लिए पुलिस मुख्यालय ने अपनी दो विशेष तकनीकी टीमों को भी मैदान में उतार दिया है. आरोपी की गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच की 11 और भोपाल जेल-एक की चार टीमें लगाई गई हैं. अलग-अलग 15 टीमें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और मध्य प्रदेश में उसके संभावित ठिकानों और संपर्कों को खंगाल रही हैं. वहीं टैक्निकल सेल उसके पुराने मोबाइल नंबरों और अन्य डिजिटल फुटप्रिंट की खोज में जुटी है.

क्रेडाई को सरकार ने दिया साझेदारी का आमंत्रण

- 28 को इंदौर में ग्रोथ कॉन्वलेव
- 2027 समित तक सहयोग का प्रस्ताव

भोपाल, 3 अक्टूबर. राजधानी के विकास, निवेश और नई आर्थिक संभावनाओं को लेकर काम कर रहे क्रेडाई भोपाल और कमाल का भोपाल अभियान को राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश अर्बन ग्रोथ कॉन्वलेव में साझेदारी का प्रस्ताव दिया है. नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज सिंह मीक को पत्र भेजकर 28 अक्टूबर को इंदौर के ब्रिजलॉन्ग कन्वेंशन सेंटर में

होने वाले कॉन्वलेव का एसोसिएशन पार्टनर बनने का आमंत्रण दिया है. प्रस्ताव में उद्योग और सरकार के बीच समन्वय के साथ डेवलपर्स, संस्थागत निवेशकों, निवेशकों और राउडनशिप डेवलपर्स को जोड़ने की भूमिका शामिल है. राष्ट्रीय रोडशी, निवेशकों से संपर्क और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समित 2027 में सरकारी नेतृत्व व निवेशकों के बीच संवाद में सहयोग भी प्रस्तावित है. क्रेडाई भोपाल की ओर से 2025 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समित से पहले भोपाल के पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक विविधीकरण और नियोजित विकास को लेकर रिसर्च व सुझाव तैयार किए गए थे.

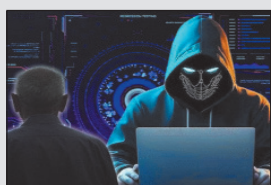
धोखाधड़ी पांच लोगों के खाते से साइबर ठगों ने निकाल ली 3.55 लाख रुपए की राशि, पुलिस ने दर्ज किए केस

फर्जी कॉल, लिंक और रेटिंग टास्क से की ठगी

- सेवानिवृत्त मेजर का मोबाइल हैक कर 72 हजार रुपए ठगे
- गुगल से डॉक्टर का नंबर निकाला और हो गई ठगी

अपडेट और फर्जी ऑनलाइन लेन-देन के जरिए लोगों से 3 लाख 55 हजार 157.98 रुपए ठगा लिए.

शाहजहांनाबाद क्षेत्र में रहने वाले 77 वर्षीय सेवानिवृत्त मेजर विनोद कुमार शर्मा को 22 अगस्त को क्रेडिट कार्ड बनवाने के नाम पर वीडियो कॉल आया था. उन्होंने दूसरा कार्ड लेने से मना कर दिया. इसी दौरान उनका मोबाइल हैक कर लिया गया. अगले दिन खाते से रकम ट्रांसफर करने पर पर्याप्त राशि नहीं होने का संदेश मिला. जांच करने पर उनके बैंक खाते से 71,998 रुपए की ठगी हुई.



शाहजहांनाबाद के फरहान सरवत ने पुलिस को बताया कि 11 जून को डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने के लिए गुगल पर नंबर तलाशकर कॉल किया था. सामने वाले ने एक एप डाउनलोड करने को कहा. इसके बाद शाम करीब 7.32 बजे उनके यूनिन बैंक खाते से पांच अलग-अलग लेन-देन में कुल 44,440 रुपए निकल गए. इसी

थाना क्षेत्र की कृति तारानी को 17 अगस्त को वॉट्सएप ग्रुप में जोड़कर होटल की रेटिंग और कमेंट करने का काम देने का झांसा दिया गया. बाद में टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर रेटिंग देने से पहले भुगतान करने को

यूनाभट्टी निवासी 76 वर्षीय शरद चंद्र मिश्रा को 30 सितंबर को बिजली कनेक्शन अपडेट नहीं करने पर रात में कनेक्शन बंद होने का संदेश मिला. संपर्क करने पर खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताते वाले व्यक्ति ने लिंक भेजकर जानकारी भरने और 12 रुपए भुगतान करने को कहा. इसके बाद मोबाइल हैक होने का आरोप है. उनके एसबीआई खाते से 70 हजार, आईसीआईसीआई से 31 हजार और पब्लिस बैंक से 40 हजार रुपए निकल गए. कुल 1 लाख 41 हजार रुपए की ठगी हुई. अरेरा हिल्स निवासी 79 वर्षीय रजनी तेलंग के बैंक ऑफ बड़ोडा खाते से 44,399 रुपए खाते से निकल गए.

कहा गया. बारकोड भेजकर 18 अगस्त को फोन-पे के जरिए उनसे 77,760 रुपए ट्रांसफर करा लिए गए. अतिरिक्त रकम मांगने पर उन्हें ठगी का पता चला और उन्हें ग्रुप से हटा दिया गया.

पॉलीटैक्निक चौराहे के पास हादसा

बाइक से घर लौटते समय गर्दन में फंसा मांझा

विशेष प्रतिनिधि
भोपाल, 3 अक्टूबर. शहर में प्रतिबंध के बावजूद पतंग के थारदार मांझे का इस्तेमाल लोगों की जान के लिए खतरा बना हुआ है. शुक्रवार शाम पॉलीटैक्निक चौराहे के पास गांधी भवन के सामने इयूटी से घर लौट रहे तलैया थाने के आरक्षक रवि शिल्पी इसकी चपेट में आ गए. बाइक चलाते समय अचानक मांझा उनकी गर्दन में फंस गया और थारदार मांझे से गर्दन पर कट लग गया. रवि ने तत्काल बाइक

रोककर खुद को संभाला. राहगीरों ने उन्हें हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने टांके लगाए. उपचार के बाद शनिवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. आरक्षक रवि शिल्पी नेहरूनगर पुलिस लाइन में रहते हैं. शुक्रवार शाम करीब 6:40 बजे इयूटी खत्म करने के बाद तलैया थाने से बाइक से घर जा रहे थे. पॉलीटैक्निक चौराहा पार कर गांधी भवन के सामने पहुंचे ही थे कि उन्हें हवा में मांझा दिखाई दिया. वह कुछ समझ पाते, इससे पहले मांझा उनकी गर्दन में फंस गया. उन्होंने तत्काल ब्रेक लगाकर बाइक रोक दी. पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ लापरवाही से चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है.



बिक्री पर रोक, फिर भी आसानी से उपलब्ध

शहर में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझे की बिक्री पर रोक नहीं लग पा रही है. पॉलीटैक्निक चौराहे के पास आरक्षक की गर्दन कटने की घटना ने एक बार फिर इसके खतरनाक इस्तेमाल को सामने ला दिया है. सवाल यह है कि प्रतिबंध के बावजूद भी यह मांझा दुकानों और बाजारों तक कैसे पहुंच रहा है. पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई के बावजूद इसकी बिक्री जारी रहने से राहगीरों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है.